कार्यशाला प्रतिवेदन

निदेशालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 27 मार्च, 2019 को "राजभाषा हिन्दी में अनुवाद की स्थिति" विषय पर एक द्विवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में निदेशालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला की शुरूआत में डॉ. आर. पी. मीना, हिन्दी अधिकारी ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। तत्पश्चात डॉ. सत्यजित रॉय, निदेशक, भाकुअनुप–औसपाअनुनि, बोरीआवी ने वक्ताओं को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

कार्यशाला के प्रथम वक्ता श्री रामदीन, प्रशासनिक अधिकारी, भाकुअनुप–औसपाअनुनि, बोरीआवी ने "प्रशासनिक कार्यों में शुद्ध व अशुद्ध शब्दों का प्रयोग" विषय पर राजभाषा हिन्दी के अधिनियम के तहत हिन्दी के महत्व को बताते हुए कार्यालय में उपयोग होने वाले शुद्ध–अशुद्ध शब्दों को दर्शाया तथा इसके महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. अनीता शुक्ला, प्रोफेसर, एम. एस. यूनि., बड़ौदा ने "राजभाषा हिन्दी में अनुवाद की स्थिति" हिन्दी अनुवाद से संबंधित विषयों पर विस्तार से बताया तथा लोक साहित्यों का कृषि में महत्व भी बताया। इसी दौरान हिन्दी अधिकारी ने अधिकारी एवं कार्मिकों से हिन्दी में लिखित लेख, कविता, वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेख लिखकर देने के लिए आग्रह किया। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. सत्यजित रॉय, निदेशक, भाकुअनुप–औसपाअनुनि, बोरीआवी ने कहा कि राजभाषा हिन्दी को एक परंपरा के रूप नहीं लेना चाहिए बल्कि हमें मातृभाषा की तरह ही इसे भी विस्तार देना चाहिए।

समारोह के अंत में श्री बृजेश कुमार मिश्र, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्रोत: कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद, गुजरात ।